IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 6, June 2025
Impact Factor: 7.67

महिला भिक्षुकों का सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का अध्ययन (रीवा जिले के विषेश सन्दर्भ में)

डॉ. मधुलिका श्रीवास्तव

प्राध्यापक समाजशास्त्र विभाग

शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, जिला–रीवा (म.प्र.)

शोध–सारांश :–

प्रस्तुत शोध पत्र में सामाजिक एवं आर्थिक उपलब्धता के आयोमों पर चिंतन किया गया है। जब तक किसी व्यक्ति के पास जीवकोपार्जन के लिए सामाजिक एवं आर्थिक संसाधन नहीं होते, उनका जीवन कष्टप्रद रहता है। भौतिक जगत में ऐसी कोई भी वस्तु नहीं है, जो बिना मुद्रा के विनिमय होती हो। इस तरह धन ही व मानक है जिससे जीवकोपार्जन एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं जिनका उपयोग रहन–सहन, स्वास्थ्य–सेवा, शिक्षा एवं संसाधन के क्रय हेतु प्रभावी होता है। समय के साथ आर्थिक उपलब्धता के कारक बदलते रहते हैं, पर मुद्रा एक ऐसी इकाई है जो किसी–न–किसी रूप में हर समय बनी रही है।

मुख्य शब्द :– महिला, सामाजिक, भिक्षुकों, आर्थिक, जीवकोपार्जन, निराशामय, रहन–सहन, शिक्षा एवं संसाधन, कारक, अध्ययन इत्यादि।

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in

DOI: 10.48175/IJARSCT-28000B